संख्या-113/2018/2294/41-2018-36 (बजट)/2018

प्रेषक,

ए0पी0 सिंह,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ

पर्यटन अनुभाग — लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई, 2018

विषय- जनपद इलाहाबाद के 12 माधव एवं परिक्रमा पथ के अन्तर्गत आने वाले मन्दिर स्थलों पर मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास कार्य हेतु प्रशासकीय/ वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-2171/6-1-1(950)/2018, दिनांक 11.06.2018 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद इलाहाबाद के 12 माधव एवं परिक्रमा पथ के अन्तर्गत आने वाले मन्दिर स्थलों पर मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास कार्य हेतु नामित कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 (यूपीआरएनएन) को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए उसके द्वारा तैयार कर उपलब्ध कराये गये आगणनों के सापेक्ष निम्नलिखित तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित कार्य हेतु स्तम्भ-3 में अंकित धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0	**कार्य का नाम**	**प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति**
1	**2**	**3**
1	श्री बनखण्डी नाथ महादेव, सैदपुर इलाहाबाद	22.11
2	श्री दुर्वासा ऋषि आश्रम, ककरा दुबावल इलाहाबाद	22.11
3	श्री शक्तिपीठ माँ ऐन्द्रीदेवी धाम, जमुनीपुर, इलाहाबाद	0.57
4	श्री नागेश्वर नाथ, छतनाग, इलाहाबाद	0.57
5	श्री निरंजन अखाड़ा, गंगा किनारे दारागंज, इलाहाबाद	1.92
6	श्री नाग वासुकी जी, गंगा किनारे दारागंज, इलाहाबाद	9.40

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

7	श्री अलोप शंकरी शक्तिपीठ, अलोपीबाग, इलाहाबाद	1.67
8	श्री भारद्वाज आश्रम, कर्नलगंज, इलाहाबाद	1.60
9	श्री तक्षकेश्वर महादेव, तक्षक तीर्थ दरियाबाग, इलाहाबाद	22.11
10	श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा बाबा मौजिगिरि मंदिर, कीडगंज, इलाहाबाद	3.84
11	श्री मनकामनेश्वर नाथ मंदिर, कीडगंज, इलाहाबाद	46.80
12	श्री पर्णासमुनि आश्रम, पनासरग्राम, इलाहाबाद	0.57
13	श्री ब्रम्हेश्वर मंदिर, दशाश्वमेध घाट, इलाहाबाद	1.74
14	पंडिला महादेव/पाण्डेश्वर नाथ, पंडिला, इलाहाबाद	24.92
15	श्री शूलटंकेश्वर नाथ महादेव, अरैल, इलाहाबाद	3.84
16	श्री सोमेश्वर नाथ महादेव, अरैल, इलाहाबाद	3.84
17	श्री गंगा भवन, अरैल, इलाहाबाद	3.84
18	श्री आदि-बट-त्रिवेणी माधव, संगम, इलाहाबाद	3.84
19	श्री असि माधव, नागवासुकी मंदिर, इलाहाबाद	0.57
20	श्री संकष्टहर माधव, प्रभुदत्त ब्रम्हचारी आश्रम, इलाहाबाद	21.09
21	श्री शंख माधव, छतनाग मुंशी बगीचा, इलाहाबाद	1.60
22	श्री चक्र माधव, अरैल, इलाहाबाद	22.19
23	श्री आदि वेणी माधव, अरैल, इलाहाबाद	22.75
24	श्री गदा माधव, छिवकी रेलवे स्टेशन, इलाहाबाद	0.57
25	श्री पदम माधव, वीकर देवारिया, इलाहाबाद	22.75
26	श्री मनोहर माधव, जानसेनगंज, इलाहाबाद	3.01
27	श्री बिन्दु माधव, द्रौपदी घाट, इलाहाबाद	2.94
28	श्री वेणी माधव, निराला मार्ग, दारागंज , इलाहाबाद	1.60
29	श्री अनन्त माधव, देवगिरिवा, वरूण तीर्थ चौफटका, इलाहाबाद	22.23
	कुल योग	**296.59**

(रूपये दो करोड़ छियानवे लाख उनसठ हजार मात्र)

3. प्रस्तर-2 में प्रदान की जा रही प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी:-

(1) प्रश्नगत कार्य की टेन्डरिंग प्रक्रिया में आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स अनुभाग-2 के शासनादेश सं0 3/2017/1067/78-2-2017-42 आईटी/2017, दिनांक 12.05.2017 एवं समय-समय पर निर्गत शासन के अन्य आदेशों/निर्देशों में निहित शर्तों एवं प्राविधानों का अनुपालन पूर्णतया सुनिश्चित किया जायेगा। प्रस्तर-2 की तालिका में अंकित कार्यों में कार्यदायी संस्था द्वारा आगणन में थर्ड पार्टी क्वालिटी चेकअप के रूप में सम्मिलित धनराशि अनुमन्य न होने के कारण स्वीकृत नहीं की गयी है।

(2) कार्यदायी संस्था द्वारा उपर्युक्त कार्य हेतु तैयार किये गये आगणन का परीक्षण पर्यटन विभाग में स्वीकृत कार्यों के आगणनों के परीक्षण हेतु गठित समिति के समक्ष शीघ्र प्रस्तुत कराते हुए अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा तथा प्रस्तर-2 में स्वीकृत

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

प्रशासकीय स्वीकृति समिति द्वारा संस्तुत धनराशि की सीमा के अन्तर्गत ही अनुमन्य होगी एवं आगणन उक्त सीमा तक संशोधित समझा जायेगा।

(3) स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का व्यय वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप सं0-1/2018/बी0-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30 मार्च, 2018 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा इसका पूर्ण उत्तरदायित्व पर्यटन निदेशालय एवं सम्बन्धित क्षेत्रीय अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रमुख का होगा।

(4) स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात् स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत के सीमान्तर्गत ही किया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/सेन्टेज चार्ज देय नही होगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे। कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य की गुणवत्ता पूर्ण रूप से सुनिश्चित की जायेगी, जिसका पर्यवेक्षण महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनश्चित कराया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को कार्य की आवश्यकता एवं कराये गये कार्य की गुणवत्ता के अनुसार सम्यक् परीक्षण करने के पश्चात ही किश्तों में अवमुक्त की जाय तथा अवमुक्त की जा रही धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, इलाहाबाद को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) प्रश्नगत कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। कार्यदायी संस्था/विभाग द्वारा नियमानुसार प्रायोजना का विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

(7) कार्य की विशिष्टियां, मानक गुणवत्ता की पूर्ण जिम्मेदारी महानिदेशक, पर्यटन एवं कार्यदायी संस्था की होगी तथा उनके द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो जाय। इसके लिए परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा प्रायोजना का पर्टचार्ट कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को शीघ्र उपलब्ध कराया जाय।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(7) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र ससमय निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, इलाहाबाद को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(8) प्रस्तावित निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व भूमि की वैधानिक उपलब्धता सुनिश्चित करा ली जायेगी तथा नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियां एवं पर्यावरणीय क्लीयरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त कर लिया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(9) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। प्रायोजना की द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति रोकने की दृष्टि से विभागाध्यक्ष द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि यह कार्य पूर्व में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत नहीं है। कार्य पूर्ण होने के पश्चात निर्मित् स्थल के समुचित रख-रखाव एवं अनुरक्षण की कार्यवाही सम्बन्धित समिति/संस्था द्वारा सुनिश्चित कराये जाने का अनुबन्ध/प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त कर लिया जायेगा तथा इसका नियमित अनुश्रवण किया जायेगा।

(10) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को पी0एल0ए0/बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय।

(11) कार्यदायी संस्था को प्रश्नगत कार्य के आगणन में उल्लिखित वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि वास्तविक रूप से जितनी देय होगी उतनी ही देयता के आधार पर भुगतान की जायेगी तथा प्रस्तावित आगणन उक्त सीमा तक संशोधित समझा जायेगा। कार्यदायी संस्था से वास्तविक रूप से भुगतान की गयी जी0एस0टी0 की धनराशि का आवश्यक प्रमाण-पत्र/विवरण पर्यटन निदेशालय के सम्बन्धित वित्त नियन्त्रक/सम्बन्धित अधिकारी द्वारा प्राप्त करते हुए शासन एवं अन्य सम्बन्धित विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा तभी अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने पर विचार किया जायेगा।

(12) प्रस्तर-2 में अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय निर्माण कार्य पर ही किया जायेगा। उपर्युक्त कार्य हेतु कार्यदायी संस्था को सेन्टेज का भुगतान अनुमन्यता के आधार पर कार्य सम्पन्न होने के पश्चात नियमानुसार अनुमन्य किया जायेगा तथा यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्तिच कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इस हेतु निर्माण कार्य में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों को पृथक कर लिया जायेगा और उसके आधार पर अनुमन्य कार्यों पर सेन्टेज की देयता का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(13) कार्यदायी संस्था द्वारा अधिरोपित लेबर सेस की धनराशि इस शर्त के अधीन होगी कि श्रम विभाग को उक्त धनराशि का भुगतान अनिवार्य रूप से कर दिया जायेगा।

(14) उक्त शर्ता/प्रतिबन्धों का अनुपालन महानिदेशक पर्यटन/पर्यटन निदेशालय के वित्त नियंत्रक/सम्बन्धित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा। आगणन में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिये क्षेत्रीय अधिकारी/क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।

3- उक्त प्रस्तर-2 में स्वीकृत की जा रही धनराशि पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वित्तीय वर्ष 2018-19 के आय-व्ययक में अनुदान सं0-44 के अन्तर्गत लेखाशीर्ष 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-08- पर्यटन स्थलों का विकास-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2018/बी0-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30 मार्च, 2018 में प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित वित्तीय अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(ए0पी0 सिंह)
उप सचिव ।

संख्या-113/2018/2294(1)/41-2018-36 (बजट)/2018 तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/ द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3- जिलाधिकारी, इलाहाबाद।
4- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0(यूपीआरएनएन), कौशाम्बी इकाई।
6. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
7. वित्त (व्यय) नियंत्रण अनुभाग-7।
8- क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी, इलाहाबाद।
9- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग।
10- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(ए0पी0 सिंह)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in